Creating a better world for Women and Children

होतई

सृजन फाउंडेशन का त्रैमासिक न्यूजलेटर

संपादन : टीम सृजन फाउन्डेशन | अंक: तृतीय | अक्टूबर-दिसम्बर 2016

थीम
- महिला सशक्तिकरण
- बाल अधिकार एवं संरक्षण : आओ करें समुदाय को सशक्त
- किशोरी सशक्तिकरण : हमारा प्रयास, बढ़े किशोरियों का आत्मविश्वास
- सतत् कृषि आजीविका संवर्धन एवं सुनिश्चित पोषण
- सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता : एक पहल
- संस्थागत विकास पर सार्थक पहल

महिला सशक्तिकरण

महिला गतिशीलता को बढ़ाने के लिए जतन का राज्यस्तरीय कार्यशाला में सृजन की भागीदारी

राँची 27 अक्टूबर, 2016 झारखण्ड एंटी ट्रैफिकिंग नेटवर्क (जतन) का एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन होटल ग्रीन होराइजन में किया गया। गतिशीलता सभी नागरिकों का समान अधिकार है, चाहे वो महिला हों या पुरूष। महिलाओं के गतिशीलता एवं सुरक्षित पलायन को बढ़ावा देने के लिए जतन के द्वारा सराहनीय कदम उठाये गए हैं। परन्तु महिलाओं के गतिशीलता के अधिकार का हनन न हो इसपर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

संस्था की अध्यक्षा सह जतन की राज्य संयोजक पूजा, झारखण्ड महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती महुआ मांजी, श्रम विभाग झारखण्ड सरकार के संयुक्त श्रमायुक्त श्री श्याम सुन्दर पाठक, झारखण्ड बाल संरक्षण आयोग के डॉ. मनोज कुमार ने अपने बहुमूल्य विचार रखें। कार्यक्रम को सफल बनाने में जतन के सदस्यों का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

जेंडर संसाधन केंद्र नेटवर्क के साथियों के साथ महिला मुद्दों पर कार्यरत्त "सपोर्ट केंद्र" का भ्रमण, भुबनेश्वर

जेंडर संसाधन केन्द्र के नेटवर्क साथियों का दो दिवसीय संस्थागत भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन भुबनेश्वर, ओडिसा में किया गया। 11 सदस्यों की टीम **इंदिरा समाज कल्याण संस्थान** एवं **समाज विकास संस्थान** का भ्रमण किया, जिसमें उनके सपोर्ट सेण्टर के कार्यों को समझा।

"सपोर्ट सेण्टर" घरेलू हिंसा के खिलाफ महिलाओं को सहयोग करने के लिए राज्य सरकार तथा स्थानीय सामजिक संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करती है। इसका संचालन जिलाधिकारी कार्यालय के परिसर से किया जाता है जो कि सरकार एवं सामाजिक संगठन का महिला हिंसा के खिलाफ साझा प्रयास को मिसाल के रूप में देखा जा सकता है।

16 दिवसीय महिला हिंसा के खिलाफ सक्रियता पखवाड़ा

महिला हिंसा के खिलाफ कदम और महिला अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए 16 दिवसीय महिला सशक्तिकरण हिंसा के खिलाफ सक्रिय पखवाड़ा का आयोजन सृजन फाउंडेशन के द्वारा किया गया। 16 दिवसीय पखवारा में राज्य के विभिन्न हिस्सों में महिला अधिकारिता पर प्रयत्नशील संस्थाओं ने जिला स्तर पर वाद-विवाद, जागरूकता, चर्चा-परिचर्चा का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत सृजन ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राँची विश्वविद्यालय के ग्रामीण विकास अध्ययन विभाग में 19 दिसम्बर 2016 को आयोजित किया। कार्यशाला में ग्रामीण विकास एवं एंथ्रोपोलॉजी अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष श्री अविनाश चन्द्र मिश्रा सहित करीब 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। महिला हिंसा एवं जेंडर मुद्दे पर आधारित इस कार्यशाला में समाज में व्याप्त जेंडर विषमताओं और उससे होने वाले दुष्प्रभावों को छात्रों के बीच चर्चा किया गया।

कार्यशाला में संस्था के गौतम हालदार एवं सम्पा के द्वारा जेंडर एवं महिला हिंसा के ऊपर विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। उन्हें यह बताया गया कि - हिंसा की शुरूआत जेन्डर विषमताओं से होती है यह बाद में हिंसक रूप धारण कर लेती है और सबसे अधिक महिलायें इससे प्रभावित होती हैं। उन्हें यह जानकारी दी गई कि वे हिंसा रोकने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और समाज को इसके प्रति जागरूक कर सकते हैं।

"एक साथ'' बराबरी की बात - सबके साथ" : एक अभियान

"एक साथ बराबरी की बात-सबके साथ" राष्ट्रीय अभियान के तहत् सृजन फाउंडेशन के द्वारा बेड़ो प्रखंड 18 नवंबर से 20 दिसम्बर तक बाल विवाह के खिलाफ सामाजिक मान्यताओं को तोड़ने के

उद्देश्य से अभियान चलाया गया। 19 नवंबर को प्रखंड कार्यालय परिसर में बाल विवाह के खिलाफ अभियान की शुरूआत की गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के **रूप में पद्मश्री सिमोन बाबा** और प्रखंड स्तर के पदाधिकारी उपस्थित हुए एवं सभी आगंतुको ने बाल विवाह के खिलाफ अपनी-अपनी बाते रखी। इस अभियान के तहत् बेड़ो के 10 गाँवों में नुक्कड़-नाटक, दिवाल लेखन, प्रभात फेरी, स्कूलों एवं पंचायत में जागरूकता अभियान चलाया गया। विदित हो कि अप्रैल 2016 से सृजन फाउंडेशन एवं Center for Health and Social Justice बेड़ो के 10 गाँवों में पुरूषों के साथ जेंडर आधारित भेदभाव को कम करने के लिए कार्य कर रही है। जिसके तहत् हर गाँव में पुरूषों के साथ घर के कामों में पुरूषों की भागीदारी को बढ़ाने, महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता लाने एवं एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए प्रयास कर रही है।

किशोरी सशक्तिकरण : हमारा प्रयास, बढ़े किशोरियों का आत्मविश्वास

किशोरियों के लिए स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप का आयोजन

ईचाक, 24-26 नवम्बर, 2016 को सृजन फाउन्डेशन के द्वारा "**It's My Body**" कार्यक्रम के तहत् प्रखंड के मुक्तमागाँव में **"स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप"** का आयोजन किया गया। जिसमें आसपास गांवों की लगभग 60 किशोरियों ने हिस्सा लिया। कैंप में फुटबॉल खेलने के तकनीक पर प्रशिक्षण दिया गया।

किशोरियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम उनके मनोबल को बढाने एवं जीवन में कुछ कर दिखाने के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

कार्यक्रम मे Feminist Approach to Technology एवं India Can के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और किशोरियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए अपने प्रेरक विचार रखें। कार्यक्रम के आयोजन में सृजन फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

किशोर/किशोरियों को बच्चों से संबंधित कानून की जानकारी

मांडू, रामगढ़ (16 नवम्बर 2016) प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय, तापिन में लगभग 300 किशोर एवं किशोरियों को School Intervention कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों से संबंधित कानूनों की जानकारी दी गयी। इसमें मुख्यतः बाल विवाह निषेध अधिनियम 2012, किशोर न्याय अधिनियम (संशोधित)- 2013, लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम-2012

(POCSO), चाइल्ड लाइन इत्यादि की जानकारी वकील जोफा लकड़ा जी (राँची) के द्वारा दिया गया।

विधालय में आयोजित इस कार्यक्रम को शिक्षकों ने काफी सराहा और सृजन फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया।

किशोरियों के लिए खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजन

मांडू, रामगढ (8 दिसम्बर 2016) प्रखंड के तापिन उत्क्रमित उच्च विद्यालय में सृजन फाउंडेशन द्वारा खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके आयोजन में स्थानीय किशोरी समूह का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम में आसपास क्षेत्र के लगभग 500 किशोर-किशोरियाँ एवं बच्चे शामिल हुए। इसमें शिक्षा के महत्व, किशोरियों के गतिशीलता पर चर्चा-परिचर्चा किया गया, जिसका उद्देश्य किशोरियों में गतिशीलता को बढ़ावा देना, रचानात्मक क्षमता वर्धन, एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाना था।

इस प्रतियोगिता में नृत्य-गीत, संगीत तथा फुटबॉल मैच शामिल थें, जिसमें किशोर-किशोरियों का फुटबॉल प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र था। इसमें किशोरियों ने 3 गोल से जीत दर्ज की। गाँव की इन लड़कियों ने अपने जीवन में पहली बार फुटबॉल खेलीं और जीत हासिल की। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और जेंडर को चुनौती देने वाली है। यह एक उदाहरण है जिसमे किशोरियों नें साबित किया की वे किशोरों से किसी भी मायने में कम नहीं हैं। इससे किशोरियों में आत्मविश्वास बढ़ा है।

बाल अधिकार एवं संरक्षण : आओ करें समुदाय को सशक्त

बाल अधिकार दिवस पर किशोरियों ने दिखाया अपना हौसला

राँची (20 नवम्बर 2016) राज्य बाल अधिकार संगठन आयोग द्वारा यूनिवर्सल बाल अधिकार दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू तथा महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लुईस मरांडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, साथ में सचिव समाज कल्याण श्री एम. एस. भाटिया विशिष्ट अतिथि के रूप में एवं अन्य वरिष्ट पदाधिकारी सहित सृजन फाउंडेशन, सेव द

चिल्ड्रन, बाल सखा, प्लान इण्डिया एवं वर्ल्ड विजन जैसे संस्थाओं ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में सृजन फाउंडेशन की ओर से इचाक गांवों की किशोरियो ने फुटबाल खेलने को लेकर परिवार और गांव के लोगों द्वारा उत्पन्न किये गये समस्याओं को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया। लड़कियाँ फुटबॉल नहीं खेल सकती, समाज के इस भ्रामक सोच को इचाक गांव की किशोरियों ने बदला है। उपस्थित अतिथियों ने नाटक को देखा एवं किशोरियों को धन्यवाद दिया।

राखी को मिला "Exemplar Adolescent Award"

पटना, बिहार 10 दिसम्बर' 2016 **भूमिका बिहार** संस्था के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम **"मेरी कहानी बदलाव की"** में सृजन फाउन्डेशन ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में राखी कुमारी (गाँव उरूका, ईचाक) को एक मिसाल के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसने किशोरी समूह से जुड़कर अपने आप में परिवर्तन लाया।

राखी की इस जज्बे को "Exeplar Adolescent" के रूप में अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। अपना अनुभव बताते हुए राखी ने कहती हैं कि "आज मैं बहुत गर्वान्वित महसुस कर रही हूँ और यहाँ तक पहुचाने के लिए सृजन फाउंडेशन को धन्यवाद् देती हूँ"।

"चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह" कार्यक्रम का आयोजन

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के तहत सृजन फाउंडेशन चाइल्डलाइन, हजारीबाग और पालकोट, गुमला की ओर से बच्चों के साथ पेंटिंग, चित्रांकन और गायन प्रतियोगिता कराया गया और बच्चों के साथ बाल अधिकार एवं "चाइल्डलाईन 1098" सेवा की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न विद्यालयों में बच्चों, शिक्षकों एवं मुखिया / वार्ड सदस्य की उपस्थिति में की गयी।

पंचायत प्रतिनिधियों एवं सरकारी अधिकारियों को कार्यक्रम से रूबरू करवाने के ख्याल से बच्चों के द्वारा "चाइल्डलाइन फ्रेंडशिप बैण्ड" बांधा गया। इसमें जिला के उपायुक्त (हजारीबाग), बाल संरक्षण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि सहित विभिन्न लोगों के साथ संपर्क अभियान चलाया गया।

आजीविकासंवर्धन : सतत् कृषि उत्प्रेरण से सुनिश्चित आय एवं पोषण

पंचायात प्रतिनिधियों का मनरेगा पर प्रशिक्षण

ग्राम पंचायत सदस्यों की मनरेगा में अपनी भूमिका निभाने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन मनोहरपुर और इचाक प्रखंड परिसर स्थित सभागार में किया गया। इस प्रशिक्षण में सृजन फाउंडेशन के कार्यकर्ता जो मनरेगा SRT (राज्य संसाधन टीम) के सदस्यों ने अहम् भूमिका निभाई।

ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को मनरेगा पर प्रशिक्षित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को समझते हुए, सृजन के वरिष्ठ सदस्यों ने भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

साथ ही साथ मनोहरपुर और इचाक में 19 से 31 अक्टूबर तक गाँवों में ग्राम पंचायत विकास योजना कार्यक्रम चला गया, इसमें CFT सदस्यों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधन मानचित्रण और सामाजिक संसाधन मानचित्रण को ध्यान में रखकर गाँवो का विकास योजना तैयार किया गया। इसमें योजनाओं का चयन डोभा और नाडेप / केंचुआ पिट की योजनाएँ ली गई। इन योजनाओं के माध्यम से वंचित परिवारों को लाभान्वित किया जाना है।

विश्व मृदा दिवस पर प्रदर्शनी में भागीदारी

मांडू, दिनांक 5 दिसम्बर, 2016 को कृषि विज्ञान केंद्र, मांडू द्वारा केंद्र परिसर में विश्व मृदा दिवस के अवसर पर किसान मेला सह प्रदर्शनी कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत महिला आजीविका को बढ़ावा देने के लिए किये गए प्रयास को महिला किसानों के द्वारा प्रदर्शनी लगाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य महिला किसानों को कृषि कार्य के लिए बढ़ावा देना था, इसके साथ ही साथ किसानों के फसल की पैदावार में बढ़ोतरी कैसे हो तथा किसानो की आर्थिक स्थिति कैसे मजबूत हो, इस पर जागरूक करना भी था।

रामगढ़ विकास मेला में सहभागिता

रामगढ़, दिनांक 21 दिसम्बर, 2016 को रामगढ़ जिला में जिला ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा विकास मेला का आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन रामगढ़ जिला के विधायक सह जल संसाधन, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री श्री चंद्रप्रकाश चौधरी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य - महिला समिति के सदस्यों का प्रोत्साहित करना, आय सृजन के लिए जोड़ना और महिला हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना था।

विकास मेला में विशिष्ट अतिथि के तौर पर रामगढ़ जिले के उपायुक्त श्रीमती राजेश्वरी बि., उप विकास आयुक्त सुनील कुमार उपस्थित हुए और स्टॉल का भ्रमण किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता : एक पहल

विश्व एड्स दिवस का आयोजन

रांची, विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रिम्स परिसर, रांची में 1 दिसम्बर 2016 को जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में सृजन फाउंडेशन कि ओर से लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम के साथियों और समुदायों से महिला यौन कर्मी उपस्थित हुईं। कार्यक्रम के दौरान 170 लोगो को रेड रिबन लगाया गया और एच. आई. वी. / एड्स से बचाव एवं रोकथाम की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही जिनलोगों ने अपना एच. आई. वी. / एड्स का जाँच करवाने की इच्छा व्यक्त की उनकी जांच और काउंसलिंग भी की गई।

कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य "शून्य की प्राप्ति करना" अथार्त नए एच. आई. वी. संक्रमण को न होने देना और एच. आई. वी. / एड्स पीड़ित लोगो के साथ शून्य भेदभाव और एच. आई. वी. / एड्स के कारण शून्य मृत्यु हो।

संस्थागत विकास पर सार्थक पहल

सृजन के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

दीघा (प.बं.) 9-11 नवम्बर, सृजन फाउंडेशन के द्वारा, पश्चिम बंगाल के दीघा स्थित प्रभात तारा प्रशिक्षण केंद्र में क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में सृजन फाउंडेशन के अध्यक्षा पूजा, गौतम हलदार, पुष्पा शर्मा, मधु कच्छप सहित 22 क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता शामिल हुए।

क्षमता वर्धन के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम, क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में निहित सृजनात्मक गुण को विकसित करना, अपनी ताकत और कमजोरियों को समझना, संस्था को गहराई से समझना, सम्प्रेषण और नेतृत्व कौशल का विकास करना था।

तीन दिवसीय आयोजित इस कार्यशाला में संस्था के साथियों ने प्रशिक्षण के साथ समुद्र तट का भ्रमण किया। यह प्रशिक्षण सिखने और अपने अन्दर छुपे गुणों को पहचानने के लिए एक अच्छा अवसर था, जिसमें क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने बखूबी प्रदर्शित किया।

कंचनजंघा की गोद में सीखने-सीखाने का कार्यक्रम

गंगटोक, 22-28 दिसम्बर, 2016 को सृजन परिवार का 7 दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम सिक्किम के गंगटोक में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्था के वरिष्ठ सहयोगियों के साथ आगामी वर्ष के कार्य योजना पर मंथन करना तथा उनमे नेतृत्व क्षमता एवं टीम प्रबंधन पर कौशल विकास करना था। इस कार्यक्रम में संस्था के 24 साथियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के साथ ही साथ टीम के सदस्यों ने दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया और हिमपात का आनंद लिया।

प्रबंधन एवं नेतृत्व विकास पर प्रशिक्षण के साथ ही साथ डॉ. (श्री) हरीश वशिष्ठ ने संस्था के नैतिक जिम्मेदारियों पर सदस्यों को संवेदनशील बनाया और प्रबंधन की बारीकियों को समझाने का प्रयत्न किया।

पंचवर्षीय संभावी कार्य योजना के लिए सृजन कार्यकर्ताओं का सहभागी नियोजन कार्यशाला

राँची, 3-8 दिसम्बर, 2016, सृजन कार्यकर्ताओं ने "All We Can" के प्रतिनिधि एंजेला और संस्थागत विकास सलाहकार डॉ. हरीश वशिष्ट के साथ 6 दिवसीय कार्यशाला का आयोजना रांची कार्यालय में किया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थागत विकास के लिए किये गए महत्वपूर्ण बदलाव और उनकी स्थिति पर चर्चा करना था। साथ ही साथ आगामी पांच वर्षों में संस्था अपने चयनित पांच मुख्य रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाया।

इस कार्यशाला में सृजन कार्यकर्ताओं ने समुदाय स्तर पर किये जाने वाले कार्यों में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं, उद्देश्य के अनुसार परिणाम आधारित दृष्टीकोण को बढ़ाने तथा कार्य गतिविधियों को बेहतर करने के कौशल विकसित किये।

सहभागी नियोजन की यह प्रक्रिया कार्यों के नए आयामों को सीखने तथा अपने कार्य व्यव्हार में शामिल करने के दृष्टीकोण से महत्वपूर्ण रहा। हालाँकि कुछ परिस्थितियों में कुछ कार्यकर्ताओं के लिए नया और चुनौतीपूर्ण था, परन्तु सीखने की दृष्टीकोण से अति महत्वपूर्ण रहा।

SRIJAN FOUNDATION
106, Bijoy Enclave, Heerabag Chowk, Matwari
Hazaribagh-825301 Jharkhand
Contact- 094727-51906, 06546 -270523
Email- srijanfoundationjkd@gmail.co
Website : www.srijanjhk.org

अपील: महिलाओं एवं बच्चों के अधिकार तथा सुरक्षित वातावरण निर्माण करने के लिए हम प्रबुद्ध व्यक्तिजनों, संस्थाओं एवं अन्य एजेंसियों से अपील करते हैं कि हमें स्वैच्छिक सहयोग एवं सहायता करें। आप हमें सहयोग हमारे वेबसाइट **Website : www.srijanjhk.org** के माध्यम से कर सकते हैं।

Disclaimer: The Newsletter contains information about the work done by Srijan Foundation. You are receiving this Newsletter because you are in our network or would have visited to our office.